म.प्र. जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान (वाल्मी)

परिचय

पूर्व - आयाकट (1984-1998)

वर्तमान - पंचायत एवं ग्रामीण विभाग (1998-निरंतर)

कार्य क्षेत्र

- सिंचित क्षेत्रों में कृषि उत्पादन बढ़ाना
- बेहतर जल प्रबंधन द्वारा पानी की उपलब्धता बढ़ाना

कार्य क्षेत्र :

- सिंचित एवं वर्षा आश्रित क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं क्षमतावर्धन • सलाहकारिता सेवाएं
- क्रियात्मक अनुसंधान • सेंच्य एवं जलग्रहण क्षेत्र विकास परियोजनाओं का मूल्यांकन
- प्रकाशन की गतिविधियां • समान उद्देश्य वालें संगठनों से समन्वय
- वन विकास • आयमूलक इंटर्नशिप • कचरा निष्पादन
- नैनो वॉटर शेड • मानव संसाधन विकास

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

अधोसंरचना का विस्तार

पूर्व में :

छात्रावास / व्याख्यान कक्ष का उपयोग : 31 से 51 दिवस प्रतिवर्ष

वर्तमान में :

छात्रावास / व्याख्यान कक्ष का उपयोग : 210 से 230 दिवस प्रतिवर्ष

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

तनाव रहित प्रशिक्षण एवं कार्यक्रम

- टीम बॉडिंग एवं नेतृत्व विकास के लिये समूह आधारित
- कार्य आनंदम के लिये फील्ड विज़िट
- सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सामूहिक भोज
- प्रयोग एवं केस स्टडी का समावेश
- विशेषज्ञों एवं विशिष्ट अतिथियों से संवाद

कार्यक्रम - 1984 से 1998 - 500	प्रतिभागी - 1500	प्रतिभागी दिवस - 4500
कार्यक्रम - 1998 से 2017 - 1330	प्रतिभागी - 40050	प्रतिभागी दिवस - 120000
कार्यक्रम - 2018 से 2022 - 6000	प्रतिभागी - 99000	प्रतिभागी दिवस - 210000

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

विशेषज्ञों का एंपेनलमेंट एवं ज्ञान संग आय अर्जन इंटर्नशिप

- विषय ज्ञान के साथ ही संस्थान के क्रियाकलापों में संलग्न कर आजीविका के अवसर
- युवाओं एवं सामन्यजनों हेतु ऑनलाईन/ऑफलाईन इंटर्नशिप कार्यक्रम
- पात्र इंटर्न्स-720 का एंपेनलमेंट कर रोजगार उपलब्ध कराया गया
- जल भूमि एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन की तकनीकों का प्रशिक्षण, शोध, मुल्यांकन, परियोजना क्रियान्वयन
- इत्यादि गतिविधियों पर इंटर्नशिप - 8740
- इंटर्न्स को औसतन 5 हजार से 2.70 लाख तक की प्राप्ति

विशेष : संस्थान द्वारा उच्च कोटि के विशेषज्ञों व उर्जावान युवाओं की सेवाएं सीमित व्यय पर प्राप्त कर 185 लाख की बचत

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

वन विकास

नवीन वन का निर्माण

- नवीन पेड़ों की संख्या - 89000
- नवीन प्रजातियों की संख्या - 57

पुराने वन का संरक्षण

- पेड़ों की संख्या - 1.50 लाख
- प्रजातियों की संख्या - 170

- प्रतिवर्ष 16250 टन ऑक्सीजन का उत्सर्जन
- 2.50 लाख आबादी की वर्ष भर की आवश्यकता के लिए पर्याप्त
- 3000 टन कार्बन डाईऑक्साइड अवशोषित

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

आजीविकामूलक नैनो वाटर शेड

- प्राकृतिक संसाधन विकास की अवधारणा कासूक्ष्म स्तर
- प्रत्येक कृषकों को लाभांवित करने का उद्देश्य
- विकास क्षेत्र कृषक की सम्पूर्ण भूमि
- सम्पूर्ण लाभ भूमि स्वामि को
- संस्थान परिसर में विभिन्न मृदा एवं जल संरचनाओं का निमार्ण
  कंटूर ट्रेंच - 450, गेबियन-2, सैंड बैग संरचना -1, दोहा पैटर्न चेनल-7
  पस्कोलेशन टेंक - 7, वनीकरण एवं अजीविका मूलक गतिविधियों का
  सफल क्रियान्वयन

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

वाल्मी फॉरेस्ट : 1 वर्ष में घने जंगल की गारंटी

- शीघ्र वन विकास की मूल जापानी पद्धति में स्थानीय दशाओं एवं संसाधनों के अनुकूल परिवर्तन एवं उन्नयन कर वाल्मी फारेस्ट पद्धति का विकास
- लागत मूल पद्धति से 5 गुना कम
- पौध बढ़वार 4 गुना तेज
- वाल्मी परिसर, पोलिटेक्निक कॉलेज, रवीन्द्र भवन, स्मार्ट सिटी, सतना, खजुरी सड़क, जिला पंचायत भोपाल, बिल्डर्स एसोसिएशन, क्रेडाई, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण आदि स्थानों पर स्थानीय प्रजातियों के 75000 वृक्षों के जंगल निर्माण का सफल क्रियान्वयन

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

ग्रीन वॉल

- दीवार पर हरियाली का विकास
- मिट्टी का उपयोग नहीं
- शहरी क्षेत्रों में बेहतर पर्यावरण में योगदान
- किसी भी प्रकार के रासायनिक दवाओं का उपयोग नही
- देशी मनीप्लांट, सिंगोनियम, क्लोरोफाइल्स, रसुलिया, मिल्मी, कोलिस, हेंगिंग इत्यादि प्रजातियों का उपयोग
- लगभग 60 पौधे प्रति वर्ग मीटर

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

कबाड़े का मुक्ताकाश

- 250 क्षमता का एक खुले रंगमंच का निर्माण
- 75 से 100 कलाकार एक साथ प्रस्तुति क्षमता
- गैर- पारंपरिक निर्माण तकनीक
- यथा संभव वेस्ट (अनुपयोगी) सामग्री का उपयोग
- निर्माण लागत - लगभग 9.00 लाख

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

जैव विविधता : संरक्षण, संवर्धन एवं विकास

प्रमुख सकारात्मक कारक

- मिट्टी और पानी का संरक्षण
- सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण
- मानव का न्यूनतम हस्तक्षेप
- विकास प्रक्रिया का वैज्ञानिक निष्पादन क्रियान्वयन

वनस्पतिक प्रजातियां - 173

- औषधी पौधे - 53
- दुर्लभ प्रजातियां - 8
- सुगंधित प्रजातियां - 5
- शेष मौसमी प्रजातियां - 107

जीव जंतु प्रजातियां - 151

- पक्षी - 71
- सरीसृप - 43
- उभयचर - 07
- स्तनधारी जीव - 13
- कीट पतंगे एवं तितलियां - 17

जैव विविधता विस्तार स्थल घोषणा की सहमति प्राप्त

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

पर्यावरणमूलक कचरा निष्पादन

- छात्रावास एवं कॉलोनी के वेस्ट को स्थल चिन्हान्कन कर गड्डे बनवाये जाना, वेस्ट से भरवाना, भर जाने पर मिट्टी की परत से पैक कर 1 माह उपरान्त निर्मित खाद पर वृक्षा रोपण करना
- वनीकरण गतिविधियों से रीजनरेशन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी हे किन्तु लेंटाना की बहुतायत होने से रीजनरेशन प्रभावित अतः लेंटाना को समूल हटाया जा कर समीपस्थ स्थान पर खंतियां निर्मित कर उनमें सैकड़ो टन लेंटाना से भरा जा कर पैक कर 1 माह उपरान्त निर्मित खाद पर वृक्षा रोपण एवं रीजनरेशन से उगे नवप्रस्फूटित वन का चिन्हांकन एवं टेगिंग कर थालों का निर्माण
- उपरोक्त पद्धति पड़त भूमि हेतु अति उपयोगी
- उपरोक्त के अतिरिक्त परिसर में अन्य प्रचलित पद्धतियों द्वारा भी कचरा निष्पादन

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

मान्यताएं एवं पहचान

- समान उद्देश्यों वाले संगठनों से समन्वय
- शासन की प्रमुख योजनाओं जैसे जल जीवन मिशन एवं अटल भूजल योजना के प्रशिक्षण पार्टनर
- राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान से समन्वय एवं संयुक्त अध्ययन
- एन.एच.ए.आई के साथ वृक्षारोपण में सहयोगी
- जल संसाधन विकास के अंतर्गत विश्व बैंक की परियोजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षण पार्टनर
- फसाई एवं आई.एस.ओ. प्रमाणिका करण
- भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय की 331 वॉटर शेड परियोजनाओं का मूल्यांकन
- जल संसाधन विभाग की 11 कडवम परियोजनाओं का तृतीय पक्ष मूल्यांकन
- वाटर सेक्टर हेतु निर्मित स्टेट स्पेसीफिक ऐक्शन प्लान का भारत सरकार द्वारा मान्य
- आयकर विभाग की धारा 80-G एवं 12-A में पंजीयन

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

प्रकाशन एवं डॉक्यूमेंटेशन

- पुस्तिकाएँ : इला अमृतम (4 संस्करण)
- ब्रोशर: वाल्मी – नाम एक काम अनेक
- बुकलेट
  1. प्राकृतिका – मंत्रालय टेरेस गार्डन
  2. जैव विविधिता – जल, जंगल, जमीन
  3. वनस्पति एवं अध्यात्म
  4. Establishing Standard Benchmarks for State Level Training Instit

शोध पत्र

01. Impact Assessment Study of Water Harvesting Structures and Soil Conservation Measures in Demonstration Farm of WALMI.

02. Is Quality in Capacity Building and Training Institution Development Matters the most ? Setting Benchmarking Process and Benchmark Standards for Training Institutions- Published in International Journal of Advances in Agriculture Science and Technology.

03. Water Availability in Urban Areas : Map for Small Interventions on Large Scale.

अधिकृत प्रमाणन संस्थाओं द्वारा मान्यता व पहचान

- Awarded ISO 14001: 2015 on Environment Management System
- Awarded ISO 9001-2015 on Quality Management System
- Awarded Eat Right Campus by Food Safety and Standard Authority of India

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

वाल्मी सुशासन मॉडल

कर्मचारी कल्याण

- समस्त दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमानुसार स्थाई कर्मी के रूप में विनियमित कर वेतनमान व वार्षिक वेतन वृद्धि
- स्थाई कर्मियों को योग्यता अनुसार अर्धकुशल एवं कुशल श्रेणी का दर्जा ।
- समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सातवां वेतन मान ।
- वेतन निर्धारण की जांच एवं समस्त वेतनमानों का कार्यकारिणी समिति से अनुमोदन ।
- यथायोग्य छठवें वेतनमान के एरियर्स, समयमान, वेतनमान इत्यादि स्वत्वों की स्वीकृति एवं भुगतान।

वित्तीय सुधार

- संस्थान की सुविधाओं को उपलब्ध कराना
- संस्थान का सी.एस.आर एवं म.प्र. पंचायत दर्पण में पंजीकरण जिससे संस्थान सी.एस.आर राशि प्राप्त करने हेतु मान्य
- संस्थान को 12-ए के अंतर्गत पंजीकृत कराकर आयकर में छूट प्राप्त की गई

एम्पैनलमेंट

- वेबसाइट, सोशल मीडिया, समाचार पत्रों, इंटर्नशिप इत्यादि के माध्यम से 200-300 से अधिक स्त्रोत व्यक्तियों का उच्च स्तरीय समिति द्वारा एम्पैनलमेंट

अधोसंरचना का पूर्ण उपयोग

अधोसंरचना का विस्तार एवं सुदृढ़िकरण

मानव संसाधनों की क्षमताओं का समुचित उपयोग

संसाधनों के इष्टतम उपयोग से आय बढ़ाने के उपयोग

विशेषज्ञों संस्थाओं के साथ लिंकेजेस का विस्तार

बेहतर डॉक्युमेन्टेशन

गतिविधियों का बेहतर प्रचार प्रसार

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

मानव संसाधन विकास

- अकादमिक
  - गत वर्ष 2897 कार्यक्रमों द्वारा 82500 प्रतिभागी लाभान्वित
  - गत वर्ष 94000 प्रतिभागी मानवदिवस का सृजन
- पर्यावरण एवं संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों द्वारा 4600 प्रतिभागी लाभान्वित
- जनमानस के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम
- 300 स्त्रोत व्यक्तियों के एम्पैनलमेंट द्वारा विशेषज्ञ संसाधनों का विस्तार
- शासन की प्रमुख योजनाओं जैसे जल जीवन मिशन एवं अटल भूजल योजना में विभाग के प्रशिक्षण पार्टनर
- तनाव रहित प्रशिक्षण

नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेस

अधोसंरचना का पूर्ण उपयोग

पूर्व में : छात्रावास / व्याख्यान कक्ष का उपयोग : 31 से 51 दिवस प्रतिवर्ष

वर्तमान में : छात्रावास / व्याख्यान कक्ष का उपयोग : 210 से 230 दिवस प्रतिवर्ष